there was no record of his re- ge," Surya wrote in the letter.

New tribal resource centre unveiled at XISS

TIMES NEWS NETWORK

Ranchi: A tribal resource centre was inaugurated at Xavier Institute of Social Service (XISS) here on Wednesday to provide a one-stop destination to students, researchers, and tourists to access information regarding Jharkhand, its culture and the tribes.

Named after Dr Kumar Suresh Singh, an academician and administrator, the centre was inaugurated by finance minister Rameshwar Oraon in the presence of Rajya Sabha MP Mahua Maji, and wife of late Dr Singh, Bimleshwari Singh.

Bimleshwari and son Dhruv Singh have donated his lifetime's worth of research materials to XISS for the betterment of the society.

"The students will be able to gather information about tribal culture, cuisine and festivals. Singh has shared his life, experiences, and the issues he encountered — all of which are essential for the development of the nation," Oraon said.

Mahua Maji, a member of the Rajya Sabha, said, "To comprehend Jharkhand holistically, it is vital to understand Dr Singh's words. His publications on indigenous people are significant for our nation."

The centre contains approximately 3,500 books, over 400 manuscripts, and handwritten and typed notes on a variety of subjects, such as Birsa Munda, tribal movements in India, tribal society in India, among others. It is in the process of digitising the entire facility for global accessibility.

Thanking XISS, Dhruv said, "His writings will be as revered as he himself was."

Mahadeo Sen

Minister Rameshwar Oraon inaugurates the tribal research centre at XISS. Rajya Sabha MP Mahua Majhi is also seen.

Guv stresses on curbing students' migration

Ranchi: Governor Ramesh Bais on Wednesday said efforts should be made to stop migration of students to other states for higher education.

Addressing a gathering at Dr Shyama Prasad Mukherjee Mukherjee University, he said the eco-system of the universities here should be improved so that not only local students stop migrating, but those from other states also enroll here.

Adequate infrastructure is necessary to ensure quality education. Universities should publish research papers and become a centre of knowledge, research and experimentation, Bais added. TNN

GOVERNMENT OF TAMILNADU - PUBLIC WORKS DEPARTMENT
BUILDINGS ORGANIZATION BUILDINGS (C&M) CIRCLE, THANJAVUR -1

PRESS: TIMES OF INDIA

शोधार्थियों के लिए वरदान • एक्सआईएसएस में डॉ. कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन, परिवार ने दान में दी मूल्यवान धरोहर

एक्ट है, पर आदिवासी की जमीन जा रही; कमी कहां, रिसर्च करें: वित्तमंत्री

सिटी रिपोर्टर | रांची

एक्सआईएसएस में डॉ. कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन मंगलवार को वित्तमंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने किया। मौके पर उन्होंने कहा कि यह रिसोर्स सेंटर राज्य के ट्राइबल समुदाय के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कहा कि रिसोर्स सेंटर डॉ. कुमार सुरेश सिंह के नाम पर है, उन्हें काफी नजदीक से जानने का मौका मिला। उन्होंने खुद सर्वे कर जानकारी जुटाई व अपने अनुभव से किताबें लिखी हैं। वे जनजातीय हितों के लिए हमेशा खड़े रहे, लेकिन हम उन्हें याद नहीं करते हैं। आपको रिसर्च करना चाहिए कि एक्ट होने बाद भी आदिवासियों की जमीन जा रही है। इसमें कहां कमी है, पता लगाइए। मौके पर मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी, संस्थान के डायरेक्टर डॉ. जोसफ मारियनुस कुजूर, डीन अकेडेमिक्स डॉ. अमर ई. तिग्गा, प्रोफेसर जेएनयू डॉ. जोसेफ बाड़ा, डॉ. कुमार सुरेश सिंह की पत्नी विमलेश्वरी सिंह, पुत्र ध्रुव सिंह आदि उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री ने कहा- यह रिसोर्स सेंटर राज्य के ट्राइबल समुदाय के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

बुकलेट जारी करते वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, सांसद महुआ माजी व एक्सआईएसएस के निदेशक।

झारखंड को समझने के लिए डॉ. कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकों और लेखों को पढ़ना जरूरी : डॉ. महुआ माजी

डॉ. महुआ माजी ने कहा कि झारखंड को समग्र रूप से समझने के लिए डॉ. कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकों और लेखों को पढ़ना जरूरी है। उनका हमारे देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है। आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें महत्वपूर्ण हैं और सभी को इसे पढ़ना चाहिए। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मारियनुस कुजूर ने कहा- शोधकर्ताओं, छात्रों व राज्य के बारे में अधिक जानने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह रिसोर्स सेंटर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। डॉ. सिंह की विद्वता का कद ऐसा है कि आदिवासी विषय पर कोई भी शोध उनके काम को पढ़े बिना पूरा नहीं होता। हम वास्तव में स्वर्गीय डॉ. सिंह की अकादमिक दुनिया, विशेष रूप से आदिवासी समाज के विकास के लिए उनके योगदान और उनके मूल्यवान संग्रह को एक्सआईएसएस में दान देने के लिए उनके परिवार के आभारी हैं।

सेंटर में हैं 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तलिपियां

एक्सआईएसएस में स्थित यह संसाधन केंद्र दुनिया भर के शोधकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होगा, जो झारखंड की संस्कृति को और करीब से जानना चाहते हैं। इसमें लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तलिपियां हैं। जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज सहित कई विषयों पर डॉ. कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध हैं। संसाधन केंद्र को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे दुनिया भर से इच्छुक लोग इससे जुड़ सकेंगे।

PRESS: DAINIK BHASKAR

ट्राइबल समुदाय के उत्थान में अहम भूमिका निभाएगा एक्सआइएसएस का रिसोर्स सेंटर

डा. कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का किया गया उद्घाटन, शोध को मिलेगा बढ़ावा

जासं, रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान यानी एक्सआइएसएस रांची में फा. माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डा. कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इसके बाद फा. माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड के वित्त मंत्री डा. रामेश्वर उरांव और राज्यसभा सांसद डा. महुआ माजी शामिल हुए। इस दौरान डा. कुमार सुरेश सिंह की धर्मपत्नी बिमलेश्वरी सिंह और उनके पुत्र ध्रुव सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रार्थना सभा के बाद एक्सआइएसएस के सुपीरियर फा. जेवियर सोरेंग ने संसाधन केंद्र को बनाने में सहयोग के लिए डा. कुमार सुरेश सिंह के परिवार का आभार जताया। वित्त मंत्री ने आदिवासी समुदाय के लिए डा. कुमार सुरेश सिंह के काम को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए एक्सआइएसएस के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा यह संसाधन केंद्र डा. कुमार सुरेश सिंह के नाम पर है, जिन्होंने अपने अनुभव से किताबें लिखी हैं। उन्होंने अपनी किताबों में अपने जीवन और अपने जीवन के अनुभव व प्रकृति का जिक्र किया है। अगर किसी को नाम और शोहरत चाहिए तो उसे कुछ ऐसा ही करना चाहिए जैसा डा कुमार सुरेश सिंह ने कई लोगों की जान बचाने के लिए किया।

धर्मपत्नी व पुत्र ने जताया आभार : डा. कुमार सुरेश सिंह की धर्मपत्नी बिमलेश्वरी देवी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज मैं यहां आकर खुश हूं और अपने पति के जीवन कार्यों को एक संसाधन केंद्र के रूप में देख रही हूं। कार्यक्रम में झारखंड के लोकगीतों को समर्पित मेरे संग्रह छोटानागपुर के सुरीले लोकगीत...का विमोचन किया जा रहा है, जो मेरी और डा. कुमार सुरेश सिंह की जीवन यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वहीं डा. सिंह के पुत्र ध्रुव सिंह ने इस संसाधन केंद्र के लिए एक्सआइएसएस को धन्यवाद दिया। कहा कि हमने एक्सआइएसएस को डा. कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकें दान की हैं। यकीन है कि संसाधन केंद्र में उनकी पुस्तकें उनकी तरह ही पवित्र रहेंगी।

पुस्तक विमोचन में मंत्री रामेश्वर उरांव, राज्य सभा सदस्य महुआ माजी व अन्य

आयोजन में शामिल लोग • जागरण

डा. कुमार सुरेश सिंह का अहम योगदान : महुआ माजी

डा. महुआ माजी ने कहा कि झारखंड को समग्र रूप से समझने के लिए डा. कुमार सुरेश सिंह के लेखों को पढ़ना जरूरी है। आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें महत्वपूर्ण हैं। एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि एक्सआइएसएस ने हमेशा राज्य की समृद्ध जनजातीय और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने में विश्वास किया है। विद्वानों, शोधकर्ताओं, छात्रों और राज्य के बारे में अधिक जानने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह रिसोर्स सेंटर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। डा. कुमार सुरेश सिंह की विद्वता का कद ऐसा है कि आदिवासी विषय पर कोई भी शोध उनके काम को पढ़े बिना पूरा नहीं होता। डा. कुमार सुरेश सिंह की अकादमिक दुनिया, विशेष रूप से आदिवासी समाज के विकास के लिए उनके योगदान और उनके मूल्यवान संग्रह को एक्सआइएसएस में दान देने के लिए उनके परिवार के आभारी हैं।

सेंटर की ये हैं विशेषता

- एक्सआइएसएस स्थित इस संसाधन केंद्र में लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हैं हस्तलिपियां
- भगवान बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, जनजातीय समाज सहित कई विषयों पर डा. कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध
- संसाधन केंद्र को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया जारी
- डिजिटल होने पर दुनिया भर से इच्छुक लोग इससे जुड़ सकेंगे
- इस केंद्र में उपलब्ध संग्रह की सदस्यता और संसाधन केंद्र के समय के बारे में अधिक जानकारी के लिए कोई भी एक्सआइएसएस लाइब्रेरी की वेबसाइट के माध्यम से जुड़ सकता है।

उद्घाटन का हिस्सा बनना सम्मान की बात

जेएनयू के डा. जोसेफ बाड़ा ने कहा कि डा. कुमार सुरेश सिंह महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। वे निर्णायक और अनुशासनप्रिय थे। संसाधन केंद्र के उद्घाटन का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। यह रिसर्च सेंटर दुनिया भर के विद्वानों के लिए ज्ञान का सरोवर है। एक्सआइएसएस में स्थित यह संसाधन केंद्र दुनिया भर के विद्वानों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होगा जो इस संस्कृति को और करीब से जानना चाहते हैं। कार्यक्रम में डा. प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआइएसएस, डा. अमर ई तिग्गा आदि मौजूद रहे।

PRESS: DAINIK JAGRAN

. एक्सआइएसएस में डॉ कुमार सुरेश सिंह जनजातीय संसाधन केंद्र का उद्घाटन, डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा

राज्य के इतिहास के लिए उपयोगी होंगी डॉ सिंह की किताबें

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

एक्सआइएसएस रांची में बुधवार को डॉ कुमार सुरेश सिंह जनजातीय संसाधन केंद्र की शुरुआत हुई. केंद्र का संचालन संस्था के फादर माइकल अलबर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में होगा. मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने डॉ सिंह की 89वीं जयंती पर केंद्र का उद्घाटन किया.

डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि पलामू के पूर्व डीसी सह दक्षिण छोटानागपुर के कमिश्नर रहे डॉ कुमार सुरेश सिंह झारखंड के इतिहासकार के रूप में जाने जाते हैं. प्रशासनिक सेवा से जुड़ने से पूर्व डॉ सिंह आइएसएम धनबाद में प्राध्यापक रहे थे. लगातार शोध कार्य से जुड़े रहना उनका शौक था. उनकी लिखी किताबें और पांडुलिपियां आने वाले दिनों में झारखंड के इतिहास के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी. डॉ उरांव ने एक्सआइएसएस को सीएनटी-एसपीटी एक्ट की खामियों, एक्ट से आदिवासी समुदाय को हुए लाभ-नुकसान पर शोध करने के लिए प्रेरित किया. वहीं, डॉ महुआ माजी ने जनजातीय संसाधन केंद्र की पहल के लिए एक्सआइएसएस को शुभकामनाएं दी.

पुस्तक का किया लोकार्पण : इस मौके पर डॉ सिंह की पत्नी बिमलेश्वरी देवी सिंह और पुत्र ध्रुव सिंह उपस्थित थे. ध्रुव सिंह ने कहा कि पिता ने अपने शोध कार्य में झारखंड दर्शन को प्राथमिकता दी. उन्होंने रांची के मंदिरों के लिए हरिबाबा आंदोलन, महाभारत, कौटिल्य, श्री बाबू, गरीबी, आदिवासी महिलाएं, ब्यूरोक्रेसी, जंगल और पर्यावरण, झारखंड की कला-संस्कृति, जीवन शैली, हिंदुत्व, पंचायती राज, मुंडा गीत, जातीयता, राजनीतिक अधिकार, जनजातीय विविधता, जमीनी शासन, सपनों में झारखंड, प्राचीन भारत में खनन, औद्योगिक विकास, यूरिया, जंगल सत्याग्रह, लोक संस्कृति का संरक्षण व जनजातीय आंदोलन जैसे विषयों पर शोध किया. वहीं, बिरसा मुंडा पर लिखी उनकी पुस्तक और पीपुल ऑफ इंडिया सीरीज लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी. उन्होंने बताया कि उनके पिता नागपुरी और उरांव भाषा के जानकार थे. इससे ग्रामीणों से बातचीत करने में आसानी होती थी. फादर बोनेट के करीबी थे. इसलिए एक्सआइएसएस के प्रति उनका लगाव शुरू से था. वहीं, बिमलेश्वरी देवी ने बताया कि डॉ सिंह आदिवासी समाज के बीच काफी समय देते थे. बिमलेश्वरी देवी ने झारखंड के झूमर और डमकच पर आधारित छोटानागपुर के सुरीली लोक गीत के संग्रह पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण किया.

एक्सआइएसएस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल डॉ रामेश्वर उरांव, महुआ माजी व अन्य.

पांडुलिपियों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जायेगा : एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर ने कहा कि जनजातीय संसाधन केंद्र के लिए डॉ सिंह के परिवार की ओर से 3500 पुस्तक और 400 पांडुलिपियां उपलब्ध करायी हैं. विद्यार्थी और शोधार्थी सदस्यता शुल्क देकर इससे जुड़ सकेंगे. एक माह के लिए 200 रुपये, छह माह के लिए 500 रुपये और एक वर्ष की सदस्यता के लिए 1000 रुपये देने होंगे. वहीं, डॉ सिंह की पांडुलिपियों को एक-एक कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जायेगा. मौके पर फादर प्रदीप, डॉ जोसेफ बारा, डॉ राजश्री वर्मा, अजय नाथ शाहदेव, राजीव गुप्ता मौजूद थे.

PRESS: PRABHAT KHABAR

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ कुमार सुरेश सिंह की पत्नी बिमलेश्वरी सिंह व उनके पुत्र ध्रुव सिंह भी मौजूद थे।

इस संसाधन केंद्र में करीब 3500 किताबें व 400 से अधिक हस्तलिपियां हैं। जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज सहित कई विषयों पर डॉ कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध हैं। संसाधन केंद्र को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

फादर जेवियर सोरेंग, सुपीरियर, एक्सआईएसएस ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि इस संसाधन केंद्र को बनाने में सहयोग के लिए डॉ कुमार सुरेश सिंह के परिवार के आभारी हैं।

डॉ उरांव ने आदिवासी समुदाय के लिए डॉ सिंह के काम को बढ़ावा देने के लिए एक्सआईएसएस के प्रयास की सराहना की। कहा, डॉ सिंह ने अपनी किताबों में अपने जीवन और अपने अनुभव, प्रकृति का जिक्र किया है। देश के विकास में डॉ सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ऐप पर पढ़ें

डॉ माजी ने कहा कि झारखंड को समग्र रूप से समझने के लिए डॉ कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकों और लेखों को पढ़ना जरूरी है, उनका हमारे देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है। आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं और सभी को इसे पढ़ना चाहिए।

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने क
कि एक्सआईएसएस ने हमेशा राज्य की समृद्ध जनजातीय औ
सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने में विश्वास किया है। यह
संसाधन केंद्र इस दिशा में एक और कदम है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में एक्सआईएसएस डॉ कुमार सुरेश सिंह मेमोरियल वार्षिक व्याख्यान का आयोजन करेगा।

डॉ सिंह की पत्नी बिमलेश्वरी देवी ने कहा कि अपने पति के कार्यों को एक संसाधन केंद्र के रूप में देख खुशी हो रही है। कार्यक्रम में झारखंड के लोकगीतों को समर्पित बिमलेश्वरी देवी क

ऐप पर पढ़ें

छोटानागपुर के सुरीले लोकगीत, का विमोचन भी किया गया। डॉ सिंह के पुत्र ध्रुव सिंह ने कहा कि हमने एक्सआईएसएस को डॉ कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकें दान की हैं। हमें यकीन है कि इस संसाधन केंद्र में उनकी पुस्तकें उनकी तरह ही पवित्र रहेंगी।

PRESS: HINDUSTAN

TRC to play crucial role in betterment of community: Oraon

PNS ■ Ranchi

Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centre was inaugurated on Wednesday, at the Fr Michael Albert Windey Memorial Library at XISS by Chief Guest Dr Rameshwar Oraon, Finance Minister, with Guest of Honour Dr Mahua Maji, MP, Rajya Sabha. Dr Singh's wife, Bimleshwari Devi and Dhruv Singh, his son were also present on the occasion.

Dr Rameshwar Oraon, commended the effort of XISS in honouring and promoting Dr Singh's work for the tribal community. He said, "This resource centre is in the name of Dr Kumar Suresh Singh who has written the books with his own experience and not by quoting others. He has shared his own life and his experience and problems faced which are instrumental in the development of the country. If anyone wants name and fame he should do something similar to what Dr Singh did to save the lives of many people."

Dr Mahua Maji, MP, Rajya Sabha, addressed the gathering saying, "To understand Jharkhand holistically it is essential to know the words of Dr Kumar Suresh Singh. He is a great contribution to our country. His books on the tribals are important for our country and everyone should read them."

Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS, during the ceremony said, "XISS has always believed in highlighting the state's rich tribal and cultural heritage for the world to see. This resource centre is another step in this direction, which I am sure will prove extremely resourceful for scholars, researchers, students, and anyone who wishes to learn more about our wonderful state. Stature of Dr Singh's scholarship is such that no research on the Adivasi subject is complete without the reading of his work.

PRESS: PIONEER

TRC to play crucial role in betterment of community: Oraon

Thursday, 17 November 2022 | PNS | Ranchi

Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centre was inaugurated on Wednesday, at the Fr Michael Albert Windey Memorial Library at XISS by Chief Guest Dr Rameshwar Oraon, Finance Minister, with Guest of Honour Dr Mahua Maji, MP, Rajya Sabha. Dr Singh's wife, Bimleshwari Devi and Dhruv Singh, his son were also present on the occasion.

Dr Rameshwar Oraon, commended the effort of XISS in honouring and promoting Dr Singh's work for the tribal community. He said, "This resource centre is in the name of Dr Kumar Suresh Singh who has written the books with his own experience and not by quoting others. He has shared his own life and his experience and problems faced which are instrumental in the development of the country. If anyone wants name and fame he should do something similar to what Dr Singh did to save the lives of many people."

Dr Mahua Maji, MP, Rajya Sabha, addressed the gathering saying, "To understand Jharkhand holistically it is essential to know the words of Dr Kumar Suresh Singh. He is a great contribution to our country. His books on the tribals are importa[illegible] country and everyone should read them."

Back To

PRESS: PIONEER

Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS, during the ceremony said, “XISS has always believed in highlighting the state’s rich tribal and cultural heritage for the world to see. This resource centre is another step in this direction, which I am sure will prove extremely resourceful for scholars, researchers, students, and anyone who wishes to learn more about our wonderful state. Stature of Dr Singh’s scholarship is such that no research on the Adivasi subject is complete without the reading of his work. We are indeed grateful to Late Dr K. S. Singh and his family for his contributions to the academic world, especially to the tribal world of development and donating these valuable books to XISS. In the coming days, XISS with a sense of gratitude to his family and Dr Singh, will organize annually a Dr K.S. Singh Memorial Annual Lecture by leading scholars and occasional seminars on Adivasi questions.”

Bimleshwari Singh, wife of Dr Kumar Suresh Singh, expressed her gratitude saying, “Today, I am happy to be here and see a resource centre showing the life works of my husband. My collection of folk songs named, ‘*Chotanagpur ke surile lokgeet*’ is being launched in this event, which is an important part of my and Dr Singh’s life journey.”

PRESS: PIONEER

Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centre inaugurated at XISS

RANCHI: Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchiheld the inauguration of Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centreon 16 November, Wednesday at the Fr Michael Albert Winkley SJ Memorial Library at XISS, followed by a programme in the Fr Michael Van den Bogaert, SJ Memorial Auditorium. The event was graced by Chief Guest Dr RameshwarOraon, Finance Minister, GoJ with Guest of Honour Dr MahuaMajli, MP, Rajya Sabha. Family of Dr Singh, SmtBimleshwari Devi, his wife and Shri Dhruv Singh, his son were also present at the event.

Fr Xavier Soreng SJ, Superior, XISS began the event with a prayer thanking God for this important moment at XISS. He said, "We are grateful to Dr Singh's family for their support in making this resource centre a reality."

Dr RameshwarOraon, Finance Minister, GoJ commended the effort of XISS in honouring and promoting Dr Singh's work for the tribal community. He said, "This resource centrein the name of Dr Kumar Suresh Singh who has written the books with his own experience and not by quoting others.He has shared his own life and his experience and problems faced which are instrumental in the development of the country.If anyonewants name and fame he should do something similar to what Dr Singh did to save the lives of many people."

Dr MahuaMajli, MP, Rajya Sabha, addressed the crowd saying, "To understand Jharkhand holistically It is essential to know the words of Dr Kumar Suresh Singh.Hein a great contribution to our country. His books on the tribals are important for our country and everyone should read it."

Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XISS, during the ceremony said, "XISS has always believed in highlighting the state's rich tribal and cultural heritage for the world to see. This resource centre is another step in this direction, which I am sure will prove extremely resourceful for scholars, researchers, students, and anyone who wishes to learn more about our wonderful state. Stature of Dr Singh's scholarship is such that no research on the Adivasi subject is complete without the reading of his work. We are indeed grateful to Late Dr K. S. Singh and his family for his contributions to the academic world, especially to the tribal world of development and donating these valuable books to XISS.In the coming days, XISS with a sense of gratitude to his family and Dr Singh, will organize annually a Dr K.S. Singh Memorial Annual Lecture by leading scholars and occasional seminars on Adivasi questions."

SmtBimleshwariSingh, wife of Dr Kumar Suresh Singh, expressed her gratitude saying, "Today,I am happy to be here and see a resource centre showing the life works of my husband. My collection of folk songs named, 'Chotanagpurkesantilokgeet' is being launched in this event, which is an important part of my and Dr Singh's life journey."

Shri Dhruv Singh, son of Dr Singh thanked XISS for this resource centre and said, "We have donated his books to XISS. His books will remain as sacred as he was. We are grateful to XISS for creating a section of his works in the library. We are grateful to the people felicitating him, which should have been done a long time ago."

Dr Joseph Bara, Professor Emeritus, JNU during the event said, "Dr Kumar Suresh Singh is an important man who I got a change to meet with in an academic conference. He was a man with authority and discipline who even in his busy schedule havealways made time for participating in academic discussions. It is an honour to be a part of the inauguration of the resource centre."

The resource centreis a plethora of knowledge for the scholars all over the world. By obtaining the membership, the researchers will be able to have the access of the resource centre. The event was also graced by Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS,Dr Amar F. Tigga, Dean Academics, XISS along with several dignitaries, guests, faculty, staff, and students of XISS.

The Resource Centre features approx. 3500 books, more than 400 manuscripts, handwritten and typed notes of Dr Kumar Suresh Singh on a range of topics including Birsa Munda, Tribal Movements in India, Tribal Society of India etc. The Resource Centre is in process of digitalising the entire centre for people to access from across the world. For more details on the vast collection available, membership policy and timings of the resource centre, one can connect with the XISS Library through the website.

PRESS: MORNING INDIA

Resource Centre to play instrumental role in uplifting tribal community: Jharkhand Finance Minister

XISS inaugurates Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centre

by Lagatar News — 16/11/2022

Ranchi, Nov 16: The St Xavier Institute of Social Service (XISS) on Wednesday inaugurated its Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centre. Chief Guests on the occasion were Finance Minister Rameshwar Oraon; MP to Rajya Sabha Mahua Manjhi; Dhruv Singh, son of Dr Singh; and Bimleshwari Devi, wife of Dr Singh.

Notably, along with being an Indian Administrative Officer, Dr Kumar Suresh Singh was a versatile scholar from being an administrator to a historical ethnographer. In course of the long tenure of explorations on tribal matters, he published many academic papers on relevant tribal themes, such as tribal movement, agrarian relations, tribal customary law, tribal economy, and tribal women among others. He adopted a combined methodology of historical research and anthropological fieldwork in his landmark studies.

PRESS: LAGATAR

With his postings in areas inhabited by various tribal communities, he was exposed to several of their customs and cultures, the Ho, and the Munda community in particular. The extraordinary influence of these cultures on his life can be witnessed by the fact that his last wish was that his last rites be performed as per the Munda rituals and that his ashes be immersed in the Tajna river

During his address to the audience on occasion, Dhruv Singh talked of his father's achievements and his thought process. He said, "My father had a very long association with XISS. Even the last event that he attended was on held here. He never read books for research but would visit the regions and research the issues himself in order to be accurate. Even in his last days, as a patient of Parkinsons, my father worked on his last book and finished it before he took his last breadth."

PRESS: LAGATAR

एक्सआईएसएस में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन, बोले मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव

यह रिसोर्स सेंटर राज्य के ट्राइबल समुदाय के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया, तत्पश्चात फादर माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, डॉ रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकार, और डॉ महुआ माजी, सांसद, राज्य सभा शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान डॉ सिंह की पत्नी, श्रीमती विमलेश्वरी सिंह और उनके पुत्र, श्री ध्रुव सिंह भी उपस्थित थे। फादर जेवियर सोरेंग, पुरोहित, एक्सआईएसएस ने इस महत्वपूर्ण क्षण के लिए ईश्वर को धन्यवाद देते हुए प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा, इस संसाधन केंद्र को बनाने में सहयोग के लिए हम डॉ. सिंह के परिवार के आभारी हैं। डॉ रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकार ने आदिवासी समुदाय के लिए डॉ सिंह के काम को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए एक्सआईएसएस के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, इस संसाधन केंद्र डॉ कुमार सुरेश सिंह के नाम पर है, जिन्होंने अपने अनुभव से किताबें लिखी हैं। उन्होंने अपनी किताबों में अपने जीवन और अपने जीवन के अनुभव, प्रकृति, कड़ी का जिक्र किया है। देश के विकास में डॉ सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर किसी को नाम और शोहरत चाहिए तो उसे कुछ ऐसा ही करना चाहिए जैसा डॉक्टर सिंह ने कई लोगों की जान बचाने के लिए किया। डॉ महुआ माजी, सांसद, राज्यसभा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, झारखंड को समग्र रूप से समझने के लिए डॉ कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकों और लेखों को पढ़ना जरूरी है, उनका हमारे देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है। आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं और सभी को इसे पढ़ना चाहिए। समारोह के दौरान एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा, एक्सआईएसएस ने हमेशा राज्य की समृद्ध जनजातीय और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने में विश्वास किया है, ताकि वह विश्व में प्रचलित हो सके। यह संसाधन केंद्र इस दिशा में एक और कदम है। मुझे यकीन है कि विद्वानों, शोधकर्ताओं, छात्रों और हमारे अद्भुत राज्य के बारे में अधिक जानने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह रिसोर्स सेंटर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। डॉ. सिंह की विद्वता का कद ऐसा है कि आदिवासी विषय पर कोई भी शोध उनके काम को पढ़े बिना पूरा नहीं होता। हम वास्तव में स्वर्गीय डॉ. के.एस. सिंह के अकादमिक दुनिया, विशेष रूप से

आदिवासी समाज के विकास के लिए उनके योगदान और उनके मूल्यवान संग्रह को एक्सआईएसएस में दान देने के लिए उनके परिवार के आभारी हैं। आने वाले दिनों में, एक्सआईएसएस उनके परिवार और डॉ. सिंह के प्रति आभार की भावना के साथ, डॉ. के.एस. सिंह मेमोरियल वार्षिक व्याख्यान का आयोजन प्रमुख विद्वानों द्वारा आदिवासी प्रश्नों पर आयोजित करेगा।

डॉ कुमार सुरेश सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती विमलेश्वरी देवी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, आज, मैं यहां आकर खुश हूं और अपने पति के जीवन कार्यों को एक संसाधन केंद्र के रूप में देख रही हूं। इस कार्यक्रम में झारखण्ड के लोकगीतों को समर्पित मेरे संग्रह 'छोटानागपुर के सुरीले लोकगीत' का विमोचन किया जा रहा है, जो मेरी और डॉ. सिंह की जीवन यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

डॉ. सिंह के पुत्र श्री ध्रुव सिंह ने इस संसाधन केंद्र के लिए एक्सआईएसएस को धन्यवाद दिया और कहा, हमने एक्सआईएसएस को डॉ. सिंह की पुस्तकें दान की हैं। हमें यकीन है इस संसाधन केंद्र में उनकी पुस्तकें उनकी तरह ही पवित्र रहेंगी। पुस्तकालय में उनके कार्यों का एक खंड बनाने के लिए हम एक्सआईएसएस के आभारी हैं। हम उन्हें सम्मानित करने वाले लोगों के आभारी हैं, डॉ. सिंह का ऐसा सम्मान बहुत पहले से किया जाना चाहिए था।

आयोजन के दौरान प्रोफेसर एमेरिटस, जेएनयू, डॉ जोसेफ बाड़ा ने कहा डॉ कुमार सुरेश सिंह एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे जिनसे मुझे अकादमिक सम्मेलन में मिलने का मौका मिला। वे निर्णायक और अनुशासन वाले व्यक्ति थे जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम में भी अकादमिक चर्चाओं में भाग लेने के लिए हमेशा समय निकाला। संसाधन केंद्र के उद्घाटन का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

यह रिसर्च सेंटर दुनिया भर के विद्वानों के लिए ज्ञान का सरोवर है। इस केंद्र की सदस्यता प्राप्त करने से स्कॉलर्स, रिसोर्स सेंटर की सभी संसाधनों का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। एक्सआईएसएस में स्थित यह संसाधन केंद्र दुनिया भर के विद्वानों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होगा जो इस संस्कृति को और करीब से जानना चाहते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस, डॉ. अमर ई. तिग्गा, डीन एकेडमिक्स, एक्सआईएसएस, गणमान्य व्यक्तियों के साथ संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्र भी मौजूद थे।

डॉ के एस सिंह जनजातीय संसाधन केंद्र के बारे में कहा कि एक्सआईएसएस स्थित इस संसाधन केंद्र में लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तलिपियां, जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज आदि सहित कई विषयों पर डॉ कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध हैं। संसाधन केंद्र को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है जिससे दुनिया भर से इच्छुक लोग इससे जुड़ सकेंगे। इस केंद्र में उपलब्ध इस विशाल संग्रह की सदस्यता और संसाधन केंद्र के समय के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कोई भी एक्सआईएसएस लाइब्रेरी की वेबसाइट के माध्यम से जुड़ कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

PRESS: RASHTRIYA NAVEEN MAIL

सन्मार्ग | **राजधानी/आसपास**

डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन, बोले वित्त मंत्री

डॉ सुरेश के कार्यों को बढ़ावा देने का एक्सआईएसएस का प्रयास सराहनीय

आदिवासी पर लिखी डॉ. सुरेश की किताबें हमारे देश के लिए अहम : डॉ महुआ

संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) की ओर से बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि आदिवासी समुदाय के लिए डॉ सुरेश के काम को सम्मानित करने व बढ़ावा देने के लिए एक्सआईएसएस के प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह संसाधन केंद्र डॉ सुरेश के नाम पर है। जिन्होंने अपने अनुभव से किताबें लिखी है। उन्होंने अपनी किताबों में अपने जीवन व अपने जीवन के अनुभव, प्रकृति का जिक्र किया है। देश के विकास में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने कहा कि झारखंड को समग्र रूप से समझने के लिए डॉ सुरेश सिंह की पुस्तकों व लेखों को पढ़ना जरूरी है। उनका हमारे देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है। आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें हमारे देश के लिए अहम हैं, इसे सभी को पढ़ना चाहिए। डॉ सुरेश की पत्नी विमलेश्वरी देवी ने कहा कि मैं यहां आकर खुश हूं और अपने पति के जीवन कार्यों को एक संसाधन केंद्र के रूप में देख रही हूं। इस कार्यक्रम में झारखंड के लोकगीतों को समर्पित मेरे संग्रह छोटानागपुर के सुरीले लोकगीतों का विमोचन किया जा रहा है, जो मेरी और डॉ सिंह की जीवन यात्रा का एक अहम हिस्सा है। डॉ सिंह के पुत्र ध्रुव सिंह ने इस संसाधन केंद्र के लिए एक्सआईएसएस को धन्यवाद दिया और कहा, हमने एक्सआईएसएस को डॉ सिंह की पुस्तकें दान की है। हमे यकीन है इस संसाधन केंद्र में उनकी पुस्तकें उनकी तरह ही पवित्र रहेंगी। पुस्तकालय में उनके कार्यों का एक खंड बनाने के लिए हम एक्सआईएसएस के आभारी हैं। हम उन्हें सम्मानित करने वाले लोगों के आभारी हैं। निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि एक्सआईएसएस ने हमेशा राज्य की समृद्ध जनजातीय व सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने में विश्वास किया है। ताकि यह विश्व में प्रसारित हो सके। मौके पर डॉ जोसेफ बाड़ा, फादर जेवियर सोरेंग ने भी अपने विचार रखे। मौके पर सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा, डीन डॉ अमर ई तिग्गा समेत फैकल्टी स्टॉफ व विद्यार्थीगण शामिल थे।

PRESS: SANMARG

डॉ. कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का हुआ उद्घाटन

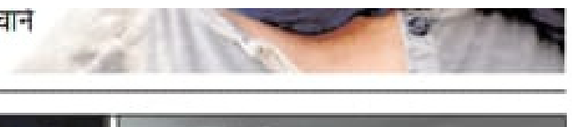

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने 16 नवम्बर, बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। तत्पश्चात फादर माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, डॉ. रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकार, और डॉ. महुआ माजी, सांसद, राज्य सभा शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सिंह की पत्नी बिमलेश्वरी सिंह और उनके पुत्र ध्रुव सिंह भी उपस्थित थे।

PRESS: FREEDOM FIGHTER

एक्सआईएसएस में डॉ. कुमार सुरेश ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया, तत्पश्चात फादर माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, डॉ रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकार, और डॉ महुआ माजी, सांसद, राज्य सभा शामिल हुई। कार्यक्रम के दौरान डॉ सिंह की पत्नी, बिमलेश्वरी सिंहऔर उनके पुत्र, ध्रुव सिंह भी उपस्थित थे। फादर जेवियर सोरेंग, सुपीरियर,

एक्सआईएसएस ने इस महत्वपूर्ण क्षण के लिए ईश्वर को धन्यवाद देते हुए प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा, इससंसाधन केंद्र कोबनाने में सहयोग के लिए हमडॉ. सिंह केपरिवार केआभारी हैं। डॉ रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकारने आदिवासी समुदाय के लिए डॉ सिंह के काम को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए एक्सआईएसएस के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, यह संसाधन केंद्र डॉ कुमार सुरेश सिंह के नाम पर है, जिन्होंने अपने अनुभव से किताबें लिखी हैं। उन्होंने अपनी किताबों में अपने जीवन और अपने जीवन के अनुभव, प्रकृति, कड़ी काजिक्र किया है। देश के विकास में डॉ सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

PRESS: FREEDOM FIGHTER

जनजाति उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा डीकेएसएसटीआरसी : डॉ उरांव

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस रांची के सभागार में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसर्च सेंटर का हुआ उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जनजातीय समुदाय के लिए एक्सआइएसएस का यह नया डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसर्च सेंटर (डीकेएसएसटीआरसी) एक वरदान साबित होगा। यह उनके उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा, क्योंकि उनके इस सेंटर में ट्राइबल से संबंधित 3500 से अधिक किताबें है और 800 से अधिक पांडुलिपियां भी। पूरे देश में प्रतिष्ठित बी स्कूल एक्सआइएसएस में इस डीकेएसएसटीआरसी जैसे सेंटर को बनाने में सहयोग के लिए डॉ सिंह के परिवार के प्रति आभारी हैं। ये बातें मुख्य अतिथि झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कही। वे बुधवार को डॉ कामिल बुल्के पथ स्थित जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआइएसएस) के सभागार में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसर्च सेंटर (डीकेएसएसटीआरसी) के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

डॉ उरांव ने कहा कि यह रिसोर्स सेंटर डॉ कुमार सुरेश सिंह के नाम पर है, जिन्होंने ट्राइबल पर जितनी भी किताबें लिखी हैं, वह सभी सर्वे के आधार पर है। उन किताबों में उनके ओरिजनल थॉट्स हैं। उनके सानिध्य के पलों को स्मरण कर डॉ उरांव ने बताया कि देश के विकास में डॉ सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसी कड़ी में उन्होंने कहा कि यदि भाप्रसे के किसी अधिकारी को नाम व शोहरत कमाना है, तो वे डॉ कुमार सुरेश सिंह की तरह बनें। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों की सेवा की और जान बचायी है। दूरदृष्टि होने के साथ-साथ सही समय पर सही निर्णय लेने वाला व्यक्तित्व था उनका।

इससे पूर्व एक्सआइएसएस के सभागार में दीप प्रज्वलित कर डॉ उरांव ने डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन किया। दीप प्रज्वलन में उनके साथ एक्सआइएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे, विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सदस्य महुआ माजी, डॉ सिंह की धर्मपत्नी बिमलेश्वरी सिंह और उनके पुत्र ध्रुव सिंह शामिल थे।

उपस्थित लोगों में एक्सआइएसएस के सुपीरियर फादर जेवियर सोरेंग, सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, एकेडमिक्स डीन डॉ अमर एरॉन तिग्गा, फादर डॉ अलेक्स एक्का, एचके सिंह, पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शाहदेव, विनोद किस्पोट्टा, रेजी डुंगडुंग, ऐक्सिस के जसबीर सिंह खुराना, प्रो हरीश दयाल, प्रभाकर तिर्की आदि शामिल थे।

विशिष्ट अतिथि महुआ माजी ने अपने संबोधन में कहा कि यदि झारखंड को समग्रता और सम्पूर्णता में जानना है, तो डॉ के सुरेश सिंह को जानिए और झारखंड पर लिखे इनकी पुस्तकों और पांडुलिपियों का गहराई से अध्ययन करें। कहा कि पिछले दिवस झारखंड के लोगों ने धरती आबा भगवान बिरसा की जयंती धूमधाम से मनायी। भगवान बिरसा की जयंती न सिर्फ झारखंड या पूरे भारतदेश में, बल्कि विदेशों और पूरी दुनिया में मनाया जा रहा है। इसे विदेशों तक पहुंचाने में डॉ कुमार सुरेश सिंह की विशेष भूमिका रही है। आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं और सभी को इसे पढ़ना चाहिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि डीकेएसएसटीआरसी को विकसित करने में अपनी ओर से जो भी होगा, सहयोग करूंगी।

एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने स्वागत भाषण में कहा कि एक्सआइएसएस जैसा संस्थान हमेशा से राज्य की समृद्ध जनजातीय और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने में विश्वास रखता है, ताकि आज के डिजिटल युग में यह पूरे विश्व में प्रसारित हो सके। कहा कि डीकेएसएसटीआरसी इस दिशा में एक ऐसा कदम है, जिसमें विद्वानों, शोधकर्ताओं, छात्रों और हमारे अद्भुत राज्य के बारे में अधिक जानने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह रिसोर्स सेंटर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। डॉ. सिंह की विद्वता का कद ऐसा है कि आदिवासी विषय पर कोई भी शोध उनके काम को पढ़े बिना पूरा नहीं होता। हम वास्तव में स्वर्गीय डॉ. केएस सिंह के अकादमिक दुनिया, विशेष रूप से आदिवासी समाज के विकास के लिए उनके योगदान और उनके मूल्यवान संग्रह को एक्सआइएसएस में दान देने के लिए उनके परिवार के आभारी हैं। आने वाले दिनों में, एक्सआइएसएस उनके परिवार और डॉ. सिंह के प्रति आभार की भावना के साथ, डॉ. केएस सिंह मेमोरियल वार्षिक व्याख्यान का आयोजन प्रमुख विद्वानों द्वारा आदिवासी प्रश्नों पर आयोजित करेगा।

बिमलेश्वरी सिंह, डॉ के सुरेश सिंह की जीवनसंगिनी ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि इस संस्थान में आकर मैं गौरवान्वित हूं। इससे पूर्व 2002 में भी मैं संस्थान के जुबिली समारोह में आयी थी, तब डॉ कुमार सुरेश सिंह की तबीयत अच्छी नहीं थी। इस मौके पर उन्होंने छोटानागपुर के सुरीले लोक गीत के संग्रह की पुस्तक विमोचन के लिए समर्पित किया। कहा कि इस संग्रह में छोटानागपुर के वे तमाम सुरीले गीत हैं, जो मेरे और डॉ के सुरेश सिंह की जीवन यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिसे बचपन में भी मैं गाती थी और गुनगुनाती थी।

ध्रुव सिंह, डॉ सिंह के पुत्र ने अपने संबोधन में डीकेएसएसटीआरसी के लिए एक्सआइएसएस का धन्यवाद किया। कहा कि एक्सआइएसएस के साथ पिता जी का विशेष जुड़ाव होने के कारण उनकी हार्दिक इच्छा के तहत किताबों का विशाल संग्रह और पांडुलिपियां यहां दी गयी हैं। हमें यकीन है कि इस सेंटर में उनकी पुस्तकें उनकी तरह ही पवित्र रहेंगी और लोगों को उनकी पुस्तकों का ज्ञान मिल पायेगा। पुस्तकालय में उनके कार्यों का एक खंड बनाने के लिए हम एक्सआइएसएस के आभारी हैं। हम उन्हें सम्मानित करने वाले लोगों के आभारी हैं, डॉ. सिंह का ऐसा सम्मान बहुत पहले से किया जाना चाहिए था।

प्रोफेसर एमेरिटस, जेएनयू, डॉ जोसेफ बाड़ा ने कहा डॉ कुमार सुरेश सिंह एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जिनसे मुझे अकादमिक सम्मेलन में मिलने का मौका मिला। वे निर्णायक और अनुशासन वाले व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम में भी अकादमिक चर्चाओं में भाग लेने के लिए हमेशा समय निकाला। संसाधन केंद्र के उद्घाटन का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। यह रिसर्च सेंटर दुनिया भर के विद्वानों के लिए ज्ञान का सरोवर है। इस केंद्र की सदस्यता प्राप्त करने से स्कॉलर्स, रिसोर्स सेंटर की सभी संसाधनों का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। एक्सआइएसएस में स्थित यह संसाधन केंद्र दुनिया भर के विद्वानों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होगा, जो इस संस्कृति को और करीब से जानना चाहते है। इस कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआइएसएस, डॉ. अमर ई. तिग्गा, डीन एकेडमिक्स, एक्सआइएसएस, गण्यमान्य व्यक्तियों के साथ संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्र भी मौजूद थे।

जनजातीय शोध केंद्र

एक्सआइएसएस स्थित इस शोध केंद्र में लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तलिपियां हैं, जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज आदि सहित कई विषयों पर डॉ कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किये गये नोट्स उपलब्ध हैं। संसाधन केंद्र को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे दुनिया भर से इच्छुक लोग इससे जुड़ सकेंगे। इस केंद्र में उपलब्ध इस विशाल संग्रह की सदस्यता और संसाधन केंद्र के समय के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कोई भी व्यक्ति एक्सआइएसएस लाइब्रेरी से वेबसाइट के माध्यम से जुड़ कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

PRESS: KHABAR MANTRA

एक्सआइएसएस में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का हुआ उद्घाटन

ट्राइबल समुदाय के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा सेंटर : डॉ रामेश्वर उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

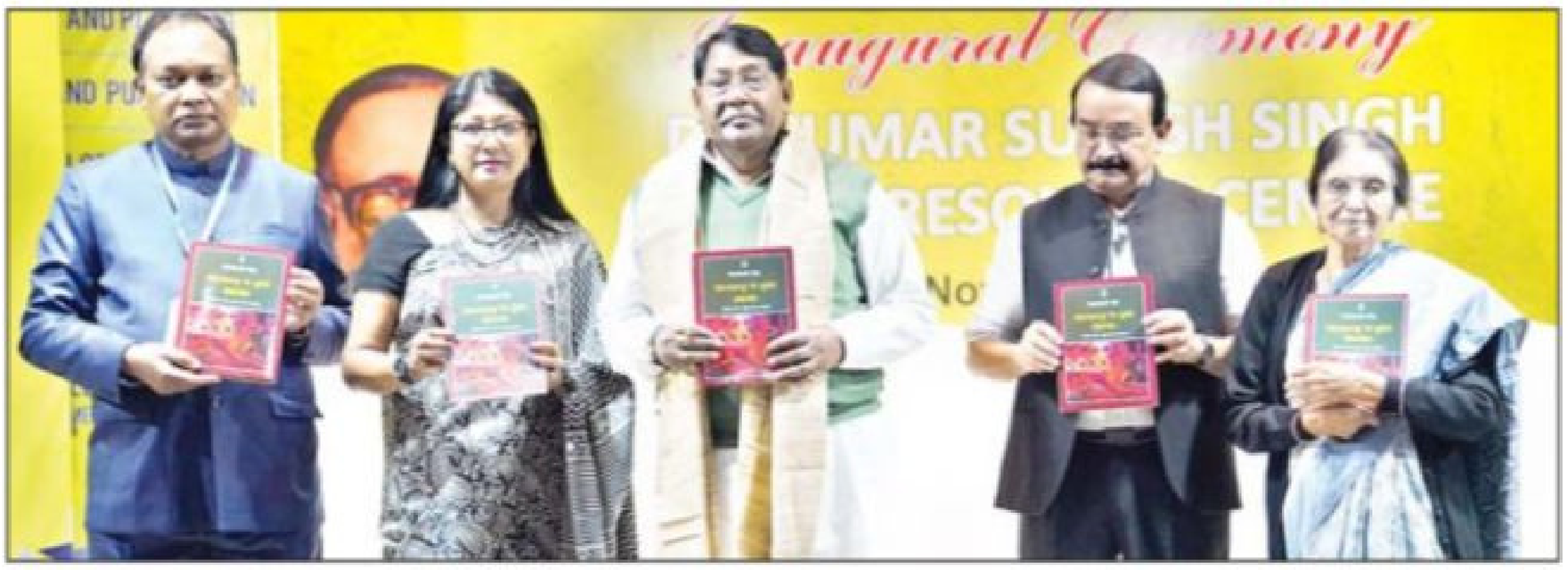

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान एक्सआईएसएस रांची ने बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। फादर माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और राज्य सभा सांसद डॉ महुआ माजी शामिल हुईं। फादर जेवियर सोरेंग सुपीरियर एक्सआइएसएस ने कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा इस संसाधन केंद्र को बनाने में सहयोग के लिए हम डॉ सिंह के परिवार के आभारी हैं। वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने आदिवासी समुदाय के लिए डॉ सिंह के काम को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए एक्सआईएसएस के प्रयास की सराहना की। देश के विकास में डॉ सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ महुआ माजी ने कहा कि झारखंड को समग्र रूप से समझने के लिए डॉ कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकों और लेखों को पढ़ना जरुरी है। आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि एक्सआईएसएस ने हमेशा राज्य की समृद्ध जनजातीय और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने में विश्वास किया है। इस कार्यक्रम में डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे सहायक निदेशक एक्सआइएसएस, डॉ अमर ई तिग्गा डीन एकेडमिक्स एक्सआईएसएस, गणमान्य व्यक्तियों के साथ संस्थान के फैकल्टी स्टाफ और छात्र भी मौजूद थे। डॉ केएस सिंह जनजातीय संसाधन केंद्र के बारे में एक्सआईएसएस स्थित इस संसाधन केंद्र में लगभग 3500 किताबें 400 से अधिक हस्तलिपियां जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज सहित कई विषयों पर डॉ कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध हैं।

PRESS: AZAD SIPAHI

एक्सआईएसएस में डॉ. कुमार सुरेश ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया, तत्पश्चात फादर माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, डॉ रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकार, और डॉ महुआ माजी, सांसद, राज्य सभा शामिल हुई। कार्यक्रम के दौरान डॉ सिंह की पत्नी, बिमलेश्वरी सिंहऔर उनके पुत्र, ध्रुव सिंह भी उपस्थित थे। फादर जेवियर सोरेंग, सुपीरियर,

एक्सआईएसएस ने इस महत्वपूर्ण क्षण के लिए ईश्वर को धन्यवाद देते हुए प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा, इससंसाधन केंद्र कोबनाने में सहयोग के लिए हमडॉ. सिंह केपरिवार केआभारी हैं। डॉ रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकारने आदिवासी समुदाय के लिए डॉ सिंह के काम को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए एक्सआईएसएस के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, यह संसाधन केंद्र डॉ कुमार सुरेश सिंह के नाम पर है, जिन्होंने अपने अनुभव से किताबें लिखी हैं। उन्होंने अपनी किताबों में अपने जीवन और अपने जीवन के अनुभव, प्रकृति, कड़ी काजिक्र किया है। देश के विकास में डॉ सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एक्सआईएसएस में शुरू हुआ डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर

हिन्दुस्तान टीम - बीता हुआ कल अ 7:40

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ कुमार सुरेश सिंह की पत्नी बिमलेश्वरी सिंह व उनके पुत्र ध्रुव सिंह भी मौजूद थे।

इस संसाधन केंद्र में करीब 3500 किताबें व 400 से अधिक हस्तलिपियां हैं। जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज सहित कई विषयों पर डॉ कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध हैं। संसाधन केंद्र को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

फादर जेवियर सोरेंग, सुपीरियर, एक्सआईएसएस ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि इस संसाधन केंद्र को बनाने में सहयोग के लिए डॉ कुमार सुरेश सिंह के परिवार के आभारी हैं।

PRESS: MSN NEWS

यह रिसोर्स सेंटर राज्य के ट्राइबल समुदाय के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: डॉ रामेश्वर उरांव

एक्सआईएसएस में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने 16 नवंबर, बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, डॉ रामेश्वर उरांव, वित्त मंत्री, झारखण्ड सरकार, डॉ महुआ माजी, सांसद, राज्य सभा, एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे, प्रोफेसर एमेरिटस, जेएनयू, डॉ जोसेफ बाड़ा शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान डॉ सिंह की पत्नी, श्रीमती बिमलेश्वरी सिंह और उनके पुत्र, श्री ध्रुव सिंह भी उपस्थित थे।
इस कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप केरकेट्टा एसजे,सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस, डॉ. अमर ई. तिग्गा, डीन एकेडमिक्स, एक्सआईएसएस, गणमान्य व्यक्तियों के साथ संस्थान के फैकल्टी, स्टाफ और छात्र भी मौजूद थे।

PRESS: INCREDIBLE JHARKHAND

एक्सआईएसएस में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन

राँची

November 16, 2022 Social News Search

Leave A Comment

रांची : ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने 16 नवंबर, बुधवार को एक्सआईएसएस के फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल लाइब्रेरी में डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया, तत्पश्चात फादर माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, डॉ रामेश्वर उरांव और डॉ महुआ माजी शामिल हुईं. कार्यक्रम के दौरान डॉ सिंह की पत्नी, श्रीमती बिमलेश्वरी सिंह और उनके पुत्र, श्री ध्रुव सिंह भी उपस्थित थे.

हम डॉ. सिंह के परिवार के आभारी : फादर जेवियर सोरेंग

फादर जेवियर सोरेंग, सुपीरियर, एक्सआईएसएस ने इस महत्वपूर्ण क्षण के लिए ईश्वर को धन्यवाद देते हुए प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की. उन्होंने कहा, “इस संसाधन केंद्र को बनाने में सहयोग के लिए हम डॉ. सिंह के परिवार के आभारी हैं.”

डॉ रामेश्वर उरांव ने एक्सआईएसएस के प्रयास की सराहना की

मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने आदिवासी समुदाय के लिए डॉ सिंह के काम को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए एक्सआईएसएस के प्रयास की सराहना की. उन्होंने कहा, “यह संसाधन केंद्र डॉ कुमार सुरेश सिंह के नाम पर है, जिन्होंने अपने अनुभव से किताबें लिखी हैं. उन्होंने अपनी किताबों में अपने जीवन और अपने जीवन के अनुभव, प्रकृति, कड़ी का जिक्र किया है. देश के विकास में डॉ सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. अगर किसी को नाम और शोहरत चाहिए तो उसे कुछ ऐसा ही करना चाहिए जैसा डॉक्टर सिंह ने कई लोगों की जान बचाने के लिए किया.“

झारखंड को समझने के लिए डॉ सिंह की पुस्तकों को पढ़ना जरुरी : डॉ महुआ माजी

डॉ महुआ माजी, सांसद, राज्यसभा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, “झारखंड को समग्र रूप से समझने के लिए डॉ कुमार सुरेश सिंह की पुस्तकों और लेखों को पढ़ना जरुरी है, उनका हमारे देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है. आदिवासियों पर उनकी लिखी किताबें हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं और सभी को इसे पढ़ना चाहिए.”

PRESS: SOCIAL NEWS SEARCH

संसाधन केंद्र इस दिशा में एक और कदम : डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर

समारोह के दौरान एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा, “एक्सआईएसएस ने हमेशा राज्य की समृद्ध जनजातीय और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने में विश्वास किया है, ताकि यह विश्व में प्रसारित हो सके. यह संसाधन केंद्र इस दिशा में एक और कदम है. मुझे यकीन है कि विद्वानों, शोधकर्ताओं, छात्रों और हमारे अद्भुत राज्य के बारे में अधिक जानने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह रिसोर्स सेंटर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा.

डॉ. पुस्तकें उनकी तरह ही पवित्र रहेंगी. पुस्तकालय में उनके कार्यों का एक खंड बनाने के लिए हम एक्सआईएसएस के आभारी हैं. हम उन्हें सम्मानित करने वाले लोगों के आभारी हैं, डॉ. सिंह का ऐसा सम्मान बहुत पहले से किया जाना चाहिए था.“

एक्सआईएसएस स्थित इस संसाधन केंद्र में लगभग 3500 किताबें

एक्सआईएसएस स्थित इस संसाधन केंद्र में लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तलिपियां, जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय आंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज आदि सहित कई विषयों पर डॉ कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध हैं.

संसाधन केंद्र को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है जिससे दुनिया भर से इच्छुक लोग इससे जुड़ सकेंगे. केंद्र में उपलब्ध इस विशाल संग्रह की सदस्यता और संसाधन केंद्र के समय के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कोई भी एक्सआईएसएस लाइब्रेरी को वेबसाइट के माध्यम से जुड़ कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है.

PRESS: SOCIAL NEWS SEARCH

Jharkhand Finance Minister Rameshwar Oraon and JMM Rajya Sabha MP Mahua Majhi were felicitated during the inauguration of Tribal Research Centre in Ranchi on Wednesday, November 16, 2022.

PRESS: THE AVENUE MAIL